# कंपनियों की 'फैक्टरी' बने यूपी और उत्तराखंड के आईआईटी

अमर उजाला ब्यूरो

**आईआईटी कानपुर व रुड़की ने छह साल में दिए देश को 11 टॉप ब्रांड**

**28 साल के 15 युवाओं की एसेट वैल्यू 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) ने अपनी दिशा बदल दी है। आईआईटी कानपुर और आईआईटी रुड़की ने नौकरी के बजाय छात्रों को उद्यमी बनाने का माहौल तैयार किया है। इसी का नतीजा है कि केवल छह साल में अकेले इन दोनों संस्थानों के छात्रों ने देश को 11 नए टॉप ब्रांड दे दिए। डिजिटल दुनिया में धूम मचा रहे इन ब्रांड्स की एसेट वैल्यू 20 हजार करोड़ से भी ज्यादा हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च प्रकाशन समूह हुरुन के मुताबिक नौकरी के बजाय उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित करने और आइडिया को धरातल पर उतारने का नतीजा है कि आज स्टार्टअप की तरफ युवा टेक्नोक्रेट तेजी से बढ़ रहे हैं। खास बात ये है कि आईआईटी में 23 साल पहले से ही स्टार्टअप के लिए खास इन्क्यूबेशन सेंटर खुल चुके थे। यहां से निकले टेक्नोक्रेट सफल कारोबारी बने और देश दुनिया में छा गए लेकिन यह रफ्तार धीमी थी। स्टार्टअप नीति, सरकारी फंडिंग और औद्योगिक नीति ने इसे रफ्तार दी है।

30 वर्ष से कम उम्र के सफल युवाओं की सूची में अकेले 15 आईआईटी कानपुर व रुड़की से निकले हैं। फैम पे, पावर प्ले, स्किट, लॉग 9 मैटेरियल्स, न्यूटन स्कूल, जुपी, नेक्स्टवेव, वाहक, शेयरचैट, जीवा और ओके क्रेडिट जैसी कंपनियां केवल इन्हीं दो संस्थानों की देन हैं। फैम पे के कुश तनेजा व संभव जैन, पावर प्ले के शुभम गोयल व ईश दीक्षित, स्किट के अक्षय देशराज, लॉग मैटेरियल्स के कार्तिक हजेला व अक्षय सिंघल और न्यूटन स्कूल के सिद्धार्थ महेश्वरी आईआईटी रुड़की से निकले हैं।

इसी तरह जुपी के दिलशेर सिंह व सिद्धांत सौरभ, नेक्स्ट वेव के अनुपम पेडरेला, वाहक के करण साहा, शेयरचैट के अंकुश सचदेवा, जीवा के ईशेंद्र अग्रवाल और ओके क्रेडिट के आदित्य प्रसाद आईआईटी कानपुर की देन हैं। वहीं, इन युवा उद्यमियों की सोच से भविष्य के उभरते सेक्टरों की तस्वीर भी सामने आ गई हैं। यानी इन सेक्टरों में युवा पीढ़ी का खासा रुझान है। इसमें सबसे ऊपर सर्विस सेक्टर, फिर डिजिटल एजुकेशन, डिजिटल फाइनेंस, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, ई कॉमर्स, इंटरप्राइज सर्विस, डिजिटल कृषि तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिक वाहन, मनोरंजन, गेमिंग और डिजिटल स्वास्थ्य टूल्स हैं।